नामभेाकीर

ी मुकुन्द पांडे वगैरह श्री राम गुलाम पांडे वैकुंठवासी कौम
ाह्मण पानाजीभा व्या. मौजे खांदीभा पु० महेर जीले गभा
ना मेाफसील गभा चेहरा कास्तकारी वेा अजमनकाई २. कर्नेल
ा पांडे चमन गेाप वेा ३. तुलसी गेाप वेा ४. मुकुन्द गेापचन्दन
ईस गेाप मसकुर व्या. मौजे मीरबिभा थाड पु० पहरा थाना
ाकसीस गभा जिल्ला गभा पेमेादार कास्तकारी ।

नामभेाकीर अपेाद

ीमती उमा देवी जौजे श्री मीलमणी प्रसाद काश्यप वेा श्रीमती
ुन्तला ~~देवी~~ रखैभार जौजे स्वर्गे मदन मेाहन प्रसाद रखैभार
ाश्यप वेा डाक्टर श्री उमेश चंद्र प्रसाद एडवेाकेट काएम
ा. रामपुर कालेज गभा पु० वेा जीले गभा ।

वीक्रीम वखीका

वाला वगलाकलामी ।

ताभदाद, जरसमन

ेा रु ३५) आठ सेा पैतीस रुपभा के मीस्फ जिसका मेा० ४१९।।
ार सेा साढे सतरह रुपभा होता है ।

सरहद अरभेावइभा

गी वेा तमामी अवाजी १४६४ नेा वाहा चार कर अराजीभान
ास्त नगदी वाके मौजे मुस्तफाबाद, मीनभदे महात्म देवकली
ु पहरा थाना मेाफसील गभा जिला गभा थाना १८१ तौजी
ि० अंदर मुन्सपैल्टी गभा मामगुजारी पंद्रह आना सकान।

ाता	टलौट	एराजी	चौहदी
ेा	३०४ मी.	१४४	

ाकर	दखीन	पुरब	पश्चिम
ाईल गेाप	सडक P.W.D. गनपती सिंह डा. हरी नारायण गुप्ता	मेाहन सिंह	वास्ता २० फीट चेाडा फुरव पश्चिम जीसके बाद श्रीमती उमा देवी वर्मा का अकान वेा जमीन है।

फीसत नभी:— यह कि नमभेाकीर १ नं० १ नामभेाकइभा मुल्कर्मे-
ाला को वक्यरीम केवाला मरफुमे ता० १० फरवरी १९३८ ई० नवीस्ते
ाकीर नं० २ मेासदके खजिस्ट्री बुक नं० १ जिल्द नं० १७ सफा
० १५८ ता नं० ५४३ वगैरा नं० ७११ सन् १९३८ ई० सब रजिस्ट्री
ाकाम गभा के वकीद किया है वेा उपर उसके पैठसिभत
ास्तकार कावीज दखील चले आते हेा वेा नमभेाकीर व
ा अमलीभात एक कानीम का मामला लानें का उनके जिस्वत
ासीम है वेा मेाकीर नं० २ वेा नं० ४ के काद वेा सैरेाबार
नभेाकइभा से बही है ताहम वास्ते तमामी खरीदार के मेाकीर

दावेका दावा किये जाते हैं।

नं०२:— यह कि मनमोकीर को जाहरा रुपया पाने आदाय देने चंद अदालतों का खर्च गुजश्ती के मो० ८३५/ आठ सौ पैंतीस रुपया का असद दरपेश है वो गैर पाने कोई मामला के समान रुपया का देा नहीं सकता है वो कर्ज सूदी होने वो सूद को देगी इसलिए मनमोकीर नौ वाहा चार चूर एजमी कास्त मगदी वलौर नं० ३०४ के पच रहा है बेच करके सामान रुपया करने का इरादा मुस्त इफ्क किया चुनान्चे चंद अगद चंद अस्खलाश से पैगाम किया आखरश मोकीर अलैहुम खरीदारी पर उसके आमादा वो मुस्तैद हुए वो वतराजी तरफैन मादा रुपया का पोस्ट वो पजहुआ जो रुबरु निर्ख बाजार मो० ८३५/ अस्सामन रुपया वो तमोह पाया वो यही अरसमन वाजीब वो बसु है बल्कि मो० १७५/ अरे वसूलेआना जैकर मनमोकीरान रकिते वशीकी बसूलेआना वता० १-११-४७ ई० को वजाम वो वरफ मोकीर अलैहुम के तामील पार दिया है जिसमें तारीख की केवाला ता० २०-१-४८ ई० तक मेआदर है मोकीर अलैहुम जिम्मवाने केवाला है इसलिए तामील करना वशीका केवाला का जरुर हुआ।

नं०३:— यह कि मनमोकीर वकालत सेठ जात वो सवाद अकल वदुरुस्ती होश वो हवास चेहा जबर वो एखराह वो दाब माजामज किसी के मदअ वजी खातीर वो रगत होमी से अपने नफा वो नुकशान के वखूबी समझ बुझकर खाजी ने पढ़ा चार चूर एजमी कास्त मगदी मुंदरजे वो मुस्सरहवाला को वदस्त मोकीर अलैहुम वलीमत मो० ८३५) आठ सौ पैंतीस रुपया के लिख उसका मो० ६७७।- चार सौ साढ़े सतरह रुपया हाता है बेचा वो वेमाकलामी किया।

नं०४:— यह कि वतहरीर वो तामील वशीके हाजा मोकीर अलैहुम को ऊपर सैरमोवदुआ, हाजा के रोज से कावीज दखील गरदाना वो मालीक मुस्तकील गरदाना वाहिये के अपर इस के कावीज दखील होकर वो रहकर जो मोनासीब आबाद करे या जो इस्तमाल मुनासीब समझे वो अब मनमोकीरान या वारसान वगैरा मोकाम मनमोकान को कुछ दरियाफ्त करने का इख्तियार के नाम अपना वसरे मुनसिलपत्री दर्ज कर देवे।

नं०५:— यह कि अरसमन मो० ८३५) आठ सौ पैंतीस रुपया इस तफसील से वाकुम पाये के मो० १७५) एक सौ पचहत्तर रुपया वक्त तामील तहरीर वसूलेआना के वता० १-११-४७ ई० को वसुल पाया है वो वकीले मो० ६६०) छः सौ साठ रुपया रु-१-रु रजिस्टार सालवा के वगद वसुल पाया इस तरह

नाम के कमाल अलमन वल्लुम के गमा।
1:— यह कि मनमैमोकीरान ने मैकीर अर्थेड्रम को वापर परमा
है वो एलमाद ठिकाना है के अभमैमावइया इरफानसात नुमन
बोनद वो वारदेन से चाक वो खाक दे अगर आज है
वेलाक इसके जायेद वो खावोत हो वो याद में मस्तुक
मदमकमगी अभमैमावइया के कम खपमा मैकीर अर्थेड्रम
के अदा वारनामडे या गुल्म या जुर्मो अभमैमावइया वो
प्रेक्टम हो जाए तो वहाल आदाए दैन गुल्म जर मवदाए
वो वहालत वेदखली कुल्म या जुर्मो जरसमन मम सुद
वसरद फोसद मो० २) भाइवारी की दीखाब से वालुम
वाने का एक मनमैमोकीरान वो वारसान कारम मैकीमीमान
के जात वो अभवदाद नांमो वो वेनामी से मैकीर अर्थेड्रम
वो वारसान कारम मैकामीमान उनके वल्लुम करने का एक
दासीम है वो होगा वो नुकुम कर लेंगे।
2:— यह कि एक रामभैमावइये का खामीम वसीके
हाथा नभी कोमा हुआ है।
3:— यह कि तमामी नजामीन की पूरी पाबंदी उपर
मनमैमोकीरान वो वारसान कारम मैकामीमान पर है वो होगा।
4:— यह कि मैफाज वाजीके हाजा वसीक खत्ती
से है वो होगा इस वाते कैफाम वेनामकामी काफा
वीख दिया कि वरवत पर काम आवे फकत।
तहरीर तारीख 5 दीसम्बर 1949 ई०
सही मुकुन्द पांडे कैवाना वेनामकामी लीखा वो जमसन
मो० आठ सौ चैतीस खपमा वेनामीफ मजकुम के वल्लुम
पाभा मणमून पढ़कर सुन समझ लिखा सो सही है ता०
5-12-49 सही कैम गोप वो तुलसी गोप वो पाभेश्वर
सिंह सही पाभेश्वर सिंह कैम गोप वो तुलसी गोप अंगुठा
का निशानी मेरे सामने लगा ता० 5-12-49 ० वाईम ० तुलसी
स० मुरम गोप वासका कैवाना वेनामकामी लिखा मणमून
पढ़कर सुन समझ लिया सही है वा० खाल 5-12-49
सही मुकुन्द पांडे वा० खास कुरम गोप ता० 5-12-49
० वाईम ० तुलसी सही कैम गोप वो तुलसी गोप वा०
पाभेश्वर सिंह ता० 5-12-49 मुरम गोप सही मुकुन्द
पांडे वा० खास ता० 5-12-49 ० वाईम ० तुलसी सही
कैम गोप वो तुलसी गोप वा० पाभेश्वर सिंह ता० 5-12-49
कुरम गोप सही मुकुन्द पांडे वा० खास ता० 5-12-49
गवाह इमदी प्रसाद साकीन महलमा पहुआर पोस

वाद गया वा: खास सही कैलगोप वे तुलसी गोप
वा: वालेश्वर सिंह ता S-92-29 0 पाईल 0 तुलसी मुख्य
गोप सही मुकुन्द पांडे वा. साख ता S-92-29 0 पाईल
0 तुलसी सही कैलम गोप वे तुलसी गोप वा. वालेश्वर
सिंह ता-S-92-29 मुख्य गोप सही मुकुन्द पांडे वा.
खाश ता. S-92-29 0 पाईल 0 तुलसी सही कैलगोप
वे तुलसी गोप वा: वालेश्वर सिंह गा. हमु प्रसाद साह
सा सुबेंधा पु० थेरहारी विभा गया वा. खास मुख्य
गोप सही मुकुन्द पांडे वा. खास ता. S-92-29 0 पाईल
0 तुलसी सही कैलम गोप वे तुलसी गोप वा. वालेश्वर
सिंह कातीय वे गवाह वरमोके बया रमेश्वर प्रसाद
महतमा वीसार खोपसदन गया पार्जे रहे के मेकोर
अौरह के नाम गया देसी का बनाया हुआ सही है 29
ता. 20-92-29 मुकुन्द पांडे वज्ह राम गुलाम पांडे सा०
सहीरा पु० महेर जोला गया

20-9-20
90-9-90
8-9-8
1= 9-11=
)= 9.7=
38.11

St. Ramsewak Pd S.V. Gaya
29-c ता. 20-12-29 sd R.S. P.S.V.
Gaya 2V
11. Gaya 3.00 ता. 21-12-29 sd R.S. P.S.
V. Gaya 3.09 ता. 22-12-29 sd R.S. P.S.
Gaya.

Copied by
sd. Harsingh Pd
E.C.
20/11/58

Read
sd. Hafiluf Hussain
20/11/58

Compaired by
sd Ram
Shagar
Pd
20/11/58

No 12777 St- Pd
Rs 36/9/—

Rs 20/- + 10/- + 6 + 16/- + 13/- =

90-92-29-9030
गया
मुकुन्द पांडे —
राम गुलाम पांडे
रमिदे साये ऽ —
आ० मो० गया —

X
वादकारी
सही मुकुन्द पांडे ता.
90-92-29
sd. P.N. Chakhaiyar
10-12-57
Ko

29
वादर —
29 (V) 2 —
23

as amended by Section 8 of the Bihar town planning & improvement trust Act 1951
sd. M.A. Khan
10-12-57
Stamp duty Paid under the Indian Ship Act 1899-18-9/- Fee
additional duty Paid — 18 —
36/9

Fee Paid
AD 8.5
N(a) 27
N(b) 0-7
LLR Fee 1-0
1-7
13-4

under the Bihar town Planning and Improvement trust Act - 1951 - Rupees thirty six annas nine. only

sd. P.N. Chakravarty
RO
10-12-57

Execution is admitted by the above named Bandey by Kail Cooperative Survey Cooperative society of Kail Cooperative of Chiraiya and P.S. Civil Lines Muzaffarpur who are identified by Baleshar Singh s/o Bhudeo Singh of Chiraiya and P.S. Civil Lines Muzaffarpur

The sum of Rs 6601- Six hundred Sixty only is Paid in my Presence

मो० ६६०) रूपया इन्यमालन वृक्षुम पाया सही मुकुन्द पाडे वा: ग्रवास ता. १०-१२-५७

O 301
J 6257
कैम गोप वा. वाणेश्वर सिंह कैम गोप ने निशानी मेरे सामने बनाया वाणेश्वर सिंह ता. १०-१२-५७ O 302
J 6257
तुलसी गोप वा. वाणेश्वर सिंह तुलसी गोप मेरे सामने निसानी बनाया वाणेश्वर सिंह ता १०-१२-५७
O 303
J 6257 मुकुन्द गोप ता १०-१२-५७
O 304
J 6257 मेकीशन को पहचानते है वाणेश्वर सिंह ता. १०-१२-५७
O 305
J 6257

sd. S.A. Saleh
10/12 RO

True copy
sd. S.A. Saleh
RO.
20-1-58

९
९८
डी० मैं० १०२
निबंधित - हुआ -
१२/१२/५७
१०५८
३०-९-५८

(Seal) sd. S.A. Saleh
20.1.58

Copied by
sd. Har Singh Prasad
EC
20-1-58

Read
sd. Hafiful Hussain
20-1-58

Compaired by
Ram Sagar Pd.
20-1-58

प्रतिलिपि किया
दिनेश प्रसाद
S-J-८७

पढ़ा
बलराम प्रसाद
अरुमाई सिंह
S.S.८७

मिलान
मो० कैयाम
V.S.८७

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

ONE HUNDRED RUPEES

रु. 100

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

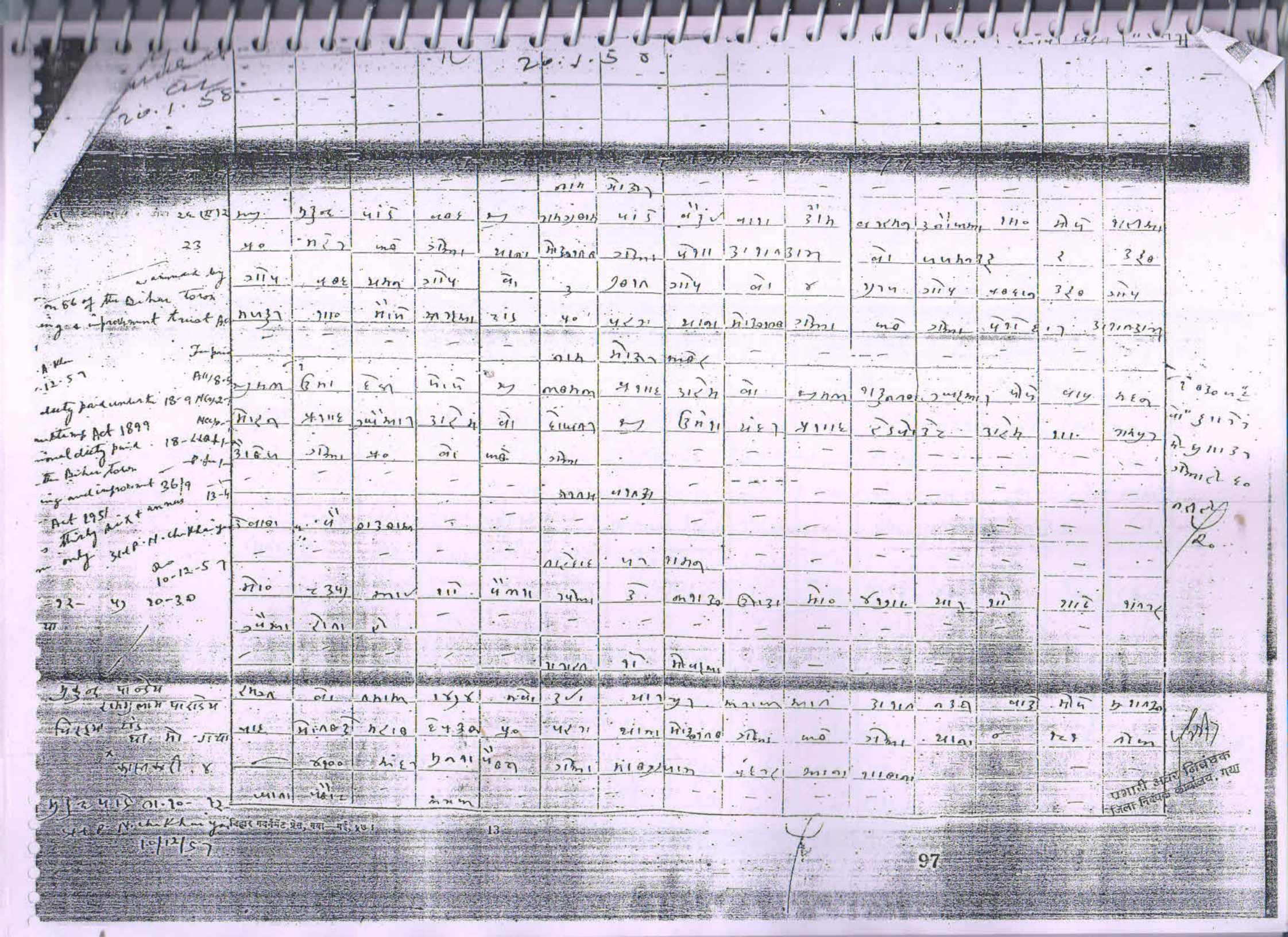
बिहार BIHAR

क्रम सं०	विक्रय श्रेणी	मुद्रांक मूल्य मूल्य वर्ग का शिट संख्या	क्रेता का नाम और पता	अभियुक्ती

S 057314

पवन कुमार सिन्हा
मुद्रांक विक्रेता
अनु०सं०-25/82-83
निबंधन कार्यालय प्रांगण, गया

सच्ची छाया प्रतिलिपि
वास्ते/लिए निबंधक
गया



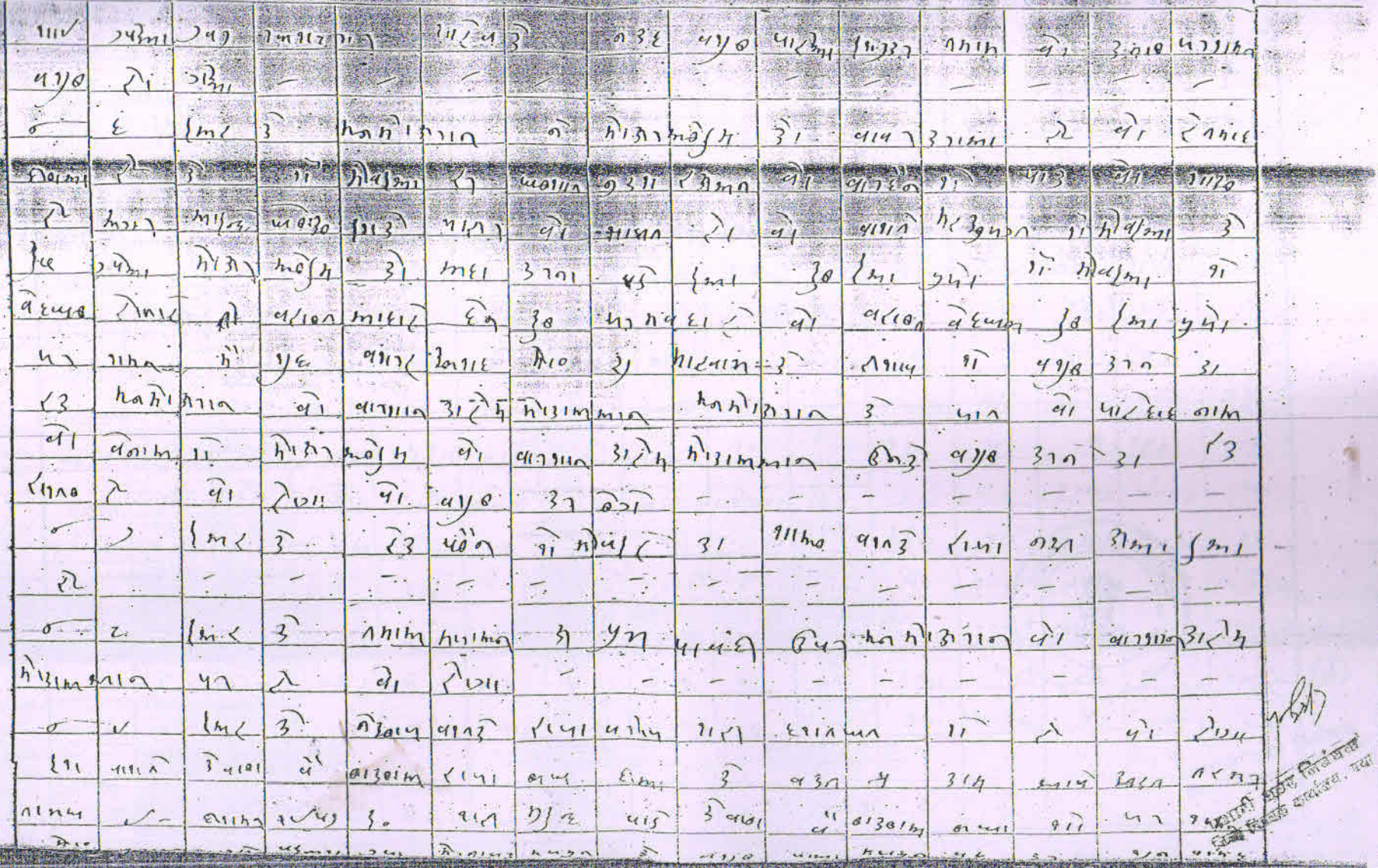
Form No. 1.

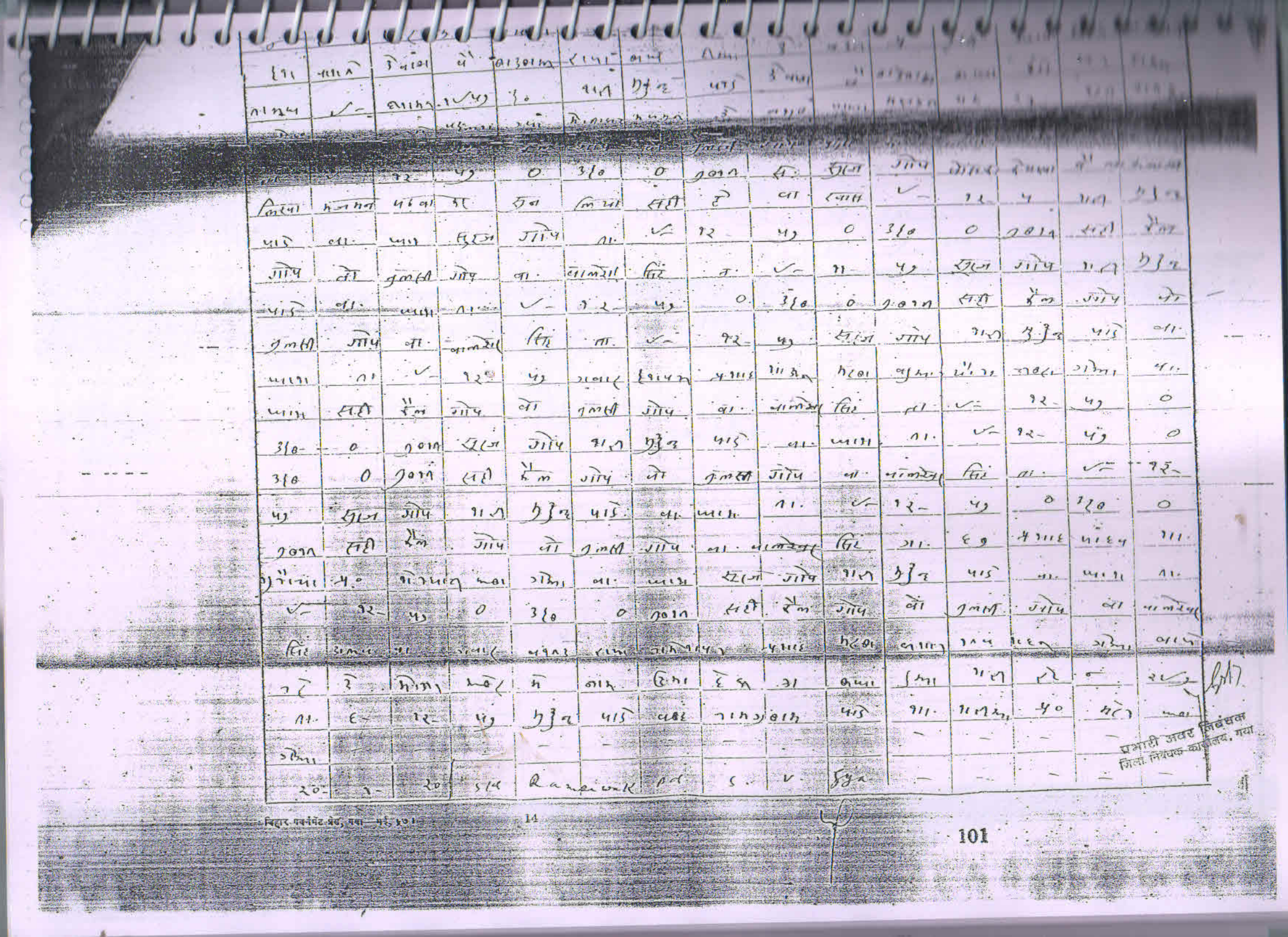
Register Book No. 1, 3 or 4. 100

1. Head margin for copy of endorsement and certificates.

2. Central space for copy of documents. (Twenty lines of fifteen words each.)

3. Right han margin for no





प्रभारी अवर निबंधक
जिला निबंधक कार्यालय, गया

Left hand margin for copy of endorsement and certificates.

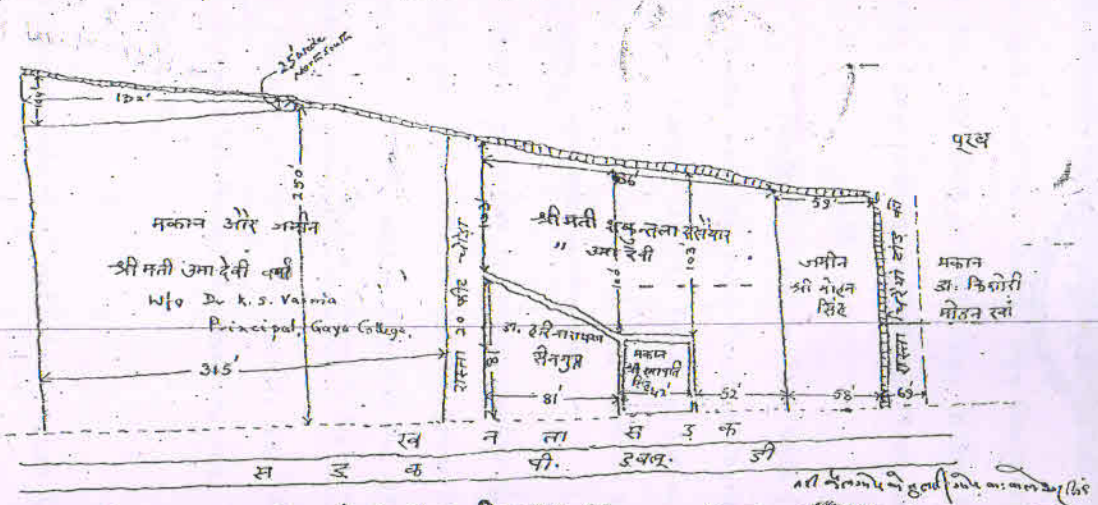
Centre space for copy of documents. (Twenty lines of about nine inches each)

१०	१	१०	०	२½	११	६	१२	५	sld	R	S	P	S	V
६	१	६	Gya	०	२½	११	६	१२	५	sld	R	S	P	S
११	१	१	V	Gya	०	३००	११	६	१२	५	sld	R	S	P
		३६१	P	६	V	Gya								

नकशा

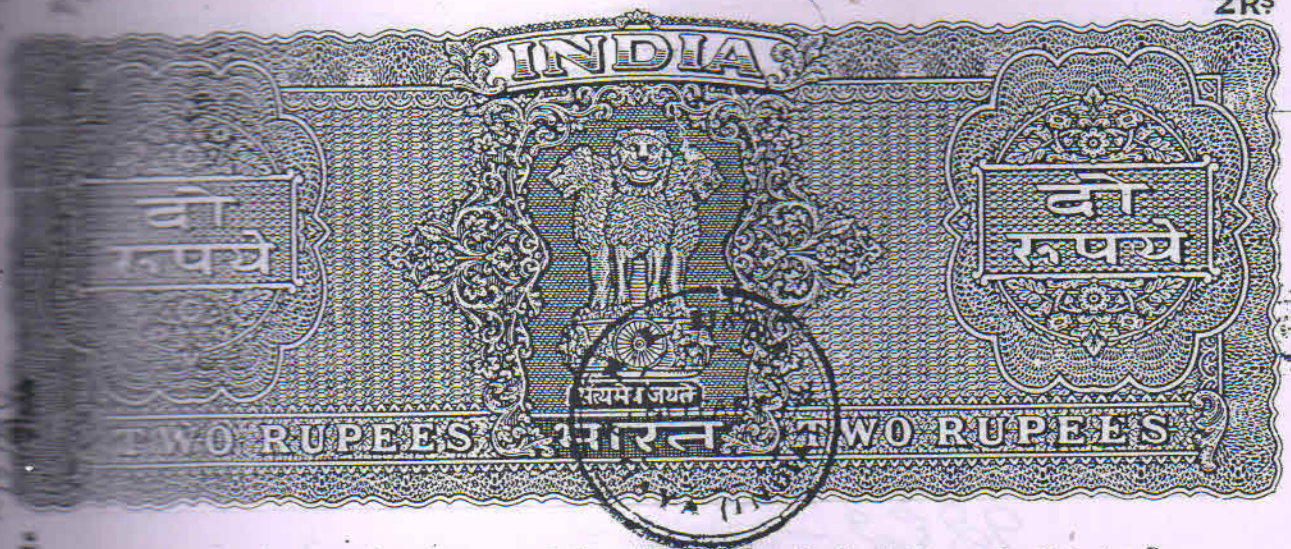
Map attached here.

नकशा



Certified that this original & Duplicate map are exact Copy of each other

2R$



Subhas Chandra Sen Gupta and Dr. Sishir Sen Gupta both sons of late Dr. Ram Narayan Sen Gupta, resident of Mohalla- Delha, P.S.- Kotwali, Delha, P.S.- Kotwali, Distt. Gaya hereby called as first party .

AND

Manju Sen Gupta widow of Prabash Chandra Sen Gupta (2) Pranab Kumar Sen Gupta and (3) Kanchan Sen Gupta sons of late Prabash Chandra Sen Gupta, resident of Mohalla- Delha, P.S.- Kotwali, Distt. Gaya called as second party.

Kind of Deed :- Deed of Relinquishment and portion by family arrangement.

Description of property:-

(A) Single storied building facing East having seven rooms, Two Baths, Two Latrin and front Parti land bearing Plot No.-304,under Khata No.-90 measuring an area 15 decimals ,Holding No.-97 (old) 105(new),Ward No. IV A bounded as North House of Madan Mohan Bukhaiyar , South - Road, East = House of Dr. R.K. Verma, and West = House of Sri Dev Narayan Sen Gupta ,situate at Mohalla- Rampur, Jail Road, P.S.- Civil Lines, (now Rampur), District- Gaya.

&

(B) Double storied building facing East having six rooms bath & Latrin on the ground floor and five rooms bath & latrin on the first floor, bearing Holding No..32.... ward No..1..... , situate at Mohalla-Delha, P.S.- Kotwali, Distt. Gaya.

Both parties have amicable settled their Houses partition by way of family arrangement on the following terms and conditions.

WHEREAS Sri Dr. Ram Narayan Sen Gupta had purchased the said Plot bearing Holding No.....20..... ward No.....4..... situate at Delha ,P.S.- Kotwali, Distt.-Gaya.



by registered sale deed dated 25.7.1953 in the name of his wife Asha Lata Devi and Dr. B.N. Sen Gupta purchased land of Plot No.-304, Khata No.-90 area 15 decimal at Ramsur , Distt. Gaya by registered sale deed dated 20th September 1951.

2.WHEREAS after purchase Dr. Ran Narayan Sen Gupta constructed house in two partners over the said plot No.304,with the help of his eldest son Prabash Chandra Gupta who had sufficient contributed in the said construction.

3.WHEREAS Asha Lata Sen Gupta died in the year 1980.. and all the first party and second party become owners of the said Holding No..... New-105, Ward No..9.IX. A- situate at Delha, P.S.- Kotwali, Distt. Gaya.

4.WHEREAS Prabash Chandra Sen Gupta died on 7.12.67 leaving behind his wife and two minors sons second party.

5.WHEREAS now both the parties have amicable settled themselves and partitioned the aforesaid two holdings by way of family arrangement.

6.WHEREAS according to the said family arrangement Holding No.5)(pt) [illegible] Ward No.IX has been allotted to the second party and now the first party and their heirs have got no right, title ,interest and claim over the said holding. Second party now become absolute owners over the said holding,and now First party shall have no concerned over the said holding. Second party have exclusive right over the aforesaid holding Schedule A when it require by them in which first party or their heirs shall not raised any objection in it.

7.WHEREAS similarly Holding No.39..... Ward No....4..situate at Delha, Gaya has been allotted to the first party and now the first party become absolute owner of the said holding,and now the second partytheir heirs have got not right, title, interest and claim over the said holding and also they shall have no concerned over the said holding.

8. WHEREAS according to the said family arrangement second party Manjhu Devi Gupta had applied for Mutation before Gaya Municipality Gaya now corporation and after enquiry mutated her name and paying her paying rent and getting rent receipt from Gaya Municipal Corporation.

9. WHEREAS now the respective owners of the holdings will do their respective expenses in the buildings and they shall create interest where and when require and they can enter their name respectively if require in any office or authority.

10. WHEREAS both the parties have made this deed as memorandum of family arrangement for their future, use and reference and their heirs are also binding by this deed .

11. WHEREAS as both the parties have execution this deed out of free will and sound of mind and after gone through the containts of this deed and the deed prepared in triplicate and second party will retain two copies & first party one of it. This deed have been executed by the parties in the presence of witnesses to-day i.e. Ist October, 1985 at Gaya.

Names of addresses of witnesses :-

1. Pradip kumar Gupta
Jogmaya, Rambur
2.
3.
4.

First Party :-

1. [signature] -
2. [signature] -

SECOND PARTY :-

1. Manju Sen Gupta. -
2. Pramod Kumar Sen Gupta -
3. Kanchan Sen Gupta -

I know the executant Kanchan Gupta personally

The Executant has/have Signed before me
Identified by— Sri M.C. Gupta Adv

[signature]
Advocate
20/9/86

N. K. SINHA
NOTARY, GAYA

N. K. SINHA NOTARY GAYA (INDIA)

-s Holding No..... Ward No..... situate at Mohalla ..... Municipality, District- Gaya



20

9.11.87

24/11

नाम मोकीर ... के ग्रऊअेअक्ष

श्री मति श्रीकुन्तला श्रखैयार ऊाँअे श्री मदन मोहन प्रसाद श्रखैया कायम कौम कायस्थ साकीम महल्ला रामपुर (चिरैयाटाँड़) थाना सिनिल लाईन गया। ऊिला गया पेश।

नाम मोकीर ... के ग्रऊअेअक्ष

श्री मति उमा श्रखैयार ऊाँअे श्री नीलमणी प्रसाद कायम कौम कायस्थ साकीम महल्ला रामपुर (चिरैयाटाँड़) थाना सिविल लाईन गया ऊिला गया पेश।

दस्तखत .....

श्रदालत श्रीयुतला (उपमंत्री मजिस्ट्रेट) गया

मुकदमा मजमूआ पुरुषार्थ संस्कृत-हिन्दी

मुद्दत दुरुस्त बकूल मंजूर है वा खिलाफ

ता:- 26-11-87

BIHAR 1R? 25nP

INDIA

एक रुपया पचीस नये पैसे

एक रुपया पचीस नये पैसे

ONE RUPEE भारत TWENTY FIVE NAYE PAISE

नाम मोकीर मलेह

बासुदेव — किस्म वशीका

तकसीमनामा [illegible]
[illegible] मालियत

मोवालिग ~~[illegible]~~ २०००) दो हजार रुपया [illegible]
तसलीह कारबाद औ तकसीम
किया जायेगा

उमगी वो तमामी मवाजी [illegible] कायमी
करा [illegible] मरल [illegible]
[illegible] मुस्तफाबाद मुतलके
[illegible] मौजा मुस्तफाबाद मुतलके
[illegible] परगना [illegible] थाना
मोफसील गया [illegible] ९८१ [illegible]
४१०० सब रजिस्ट्री कलकत्ता [illegible]
को [illegible] गया

[illegible] [illegible] को [illegible]
[illegible] जयनारायण [illegible]
[illegible] हरिनारायण [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]

[illegible] १९८८ (रविवार) २८-११-६८

उर्फ [illegible] २८-११-६८

गवाह [illegible] पिता [illegible] मौजे [illegible] २८-११-६८



राजस्व अंचल चनौता

रिटोनिंग "ए"

[illegible] जायदाद जो मोकीर फरीक प्रतिवादी को मिला।
[illegible] का मालियत मो० १६६० ~~दोलाख~~ ~~पैंसठ हजार~~ ~~छः सौ~~ पचास
[illegible] इस तरह से श्रीमति उमा वर्मा जौजे किशोरी
[illegible] मोकीरा के जमीन के बीच २०
[illegible] के बाद १४५४ मौ कठा चार धूर जमीन
[illegible] पूरब पश्चिम तथा १०२ फीट उत्तर दक्षिणे
[illegible] श्रीमति उमा एरवयैर जौजे निलमणी प्र०
[illegible] के मिलने के बाद बचा कुल्ला
[illegible] पूरब पश्चिम तथा १०२ फीट
[illegible] प्रापसी मे इस तरह के प्रापसी
[illegible] के बाद उस जमीन पर बना मकान श्री
[illegible] एरवयैर जौजे मदन मोहन प्रसाद
[illegible] मोकीर फरीक १ को मिला जो नक्सा
[illegible] से दिखलाया गया है तथा नक्सा
[illegible] का एरिया थाने उजला है बाकी
[illegible] रामपुर (चिरैयाटांड) थाना सिविल लाईन।
[illegible] रजिस्ट्री [illegible] मुखफी को मिला
[illegible] एक को मोतलिक उसके

उ० कईल गोप
द० जयनारायण को
हरिनारायण सेनगुप्ता
पू० शकुंतला एरवयैर
प० उमा एरवयैर

खाना पलौट नं० — प्रफल्ल
१०२ × १०२
२०४ फी

३८१-४५४ मार्क — ३८-१-७१ — ७४

श्रीमति मीरा मुखर्जी पति [illegible]
[illegible]
[illegible]

मालिक बिहार सरकार प्रचलं चनौती

शिनूल "ग"

बरोह जायदाद जो गाकर करीक होयम
को मिला पस्ती जमीन का मालियत ३६०१
तीन सौ साढ़ रुपया पियका क्योरा इस तरह है

श्री मति उमा देवी वर्मा औज किशोरी
रमण वर्मा तथा मोखीराम के जमीन के बीच
२० फीट रास्ता के बाद १४५४ धूर (नौ
कठा चार धूर) जमीन मे से २० फीट
पूरब पश्चिम तथा १०२ फीट उत्तर दक्षिन
पस्ती जमीन श्री मति उमा इखैयार जौगे
श्री नीलमणी प्रसाद मोकर करीक होयम
को मिला जो नक्सा मे "ए" केटर से
दिखलाया गया है तथा नक्सा मे वह
भाग लाल रंग से भरा हुआ है वाके
महल्ला रामपुर (सिरैंयाटांड) थाना सिविल
लाईन गया सब से पस्ही कुलकरी मुरियी
को जिला गया - दक्षिन धूरके एक वे
दखल मोतलिक उसके

पलौट	प्रशाखी	
२०४मी	२०×१०२ फीट ५/२	श्री कईल गोप पं० हरिनारायण सेन गुप्ता वे० शकुतिला रुपे पार जमीनके मकान पं० २० फी० चौड़ा रास्ता

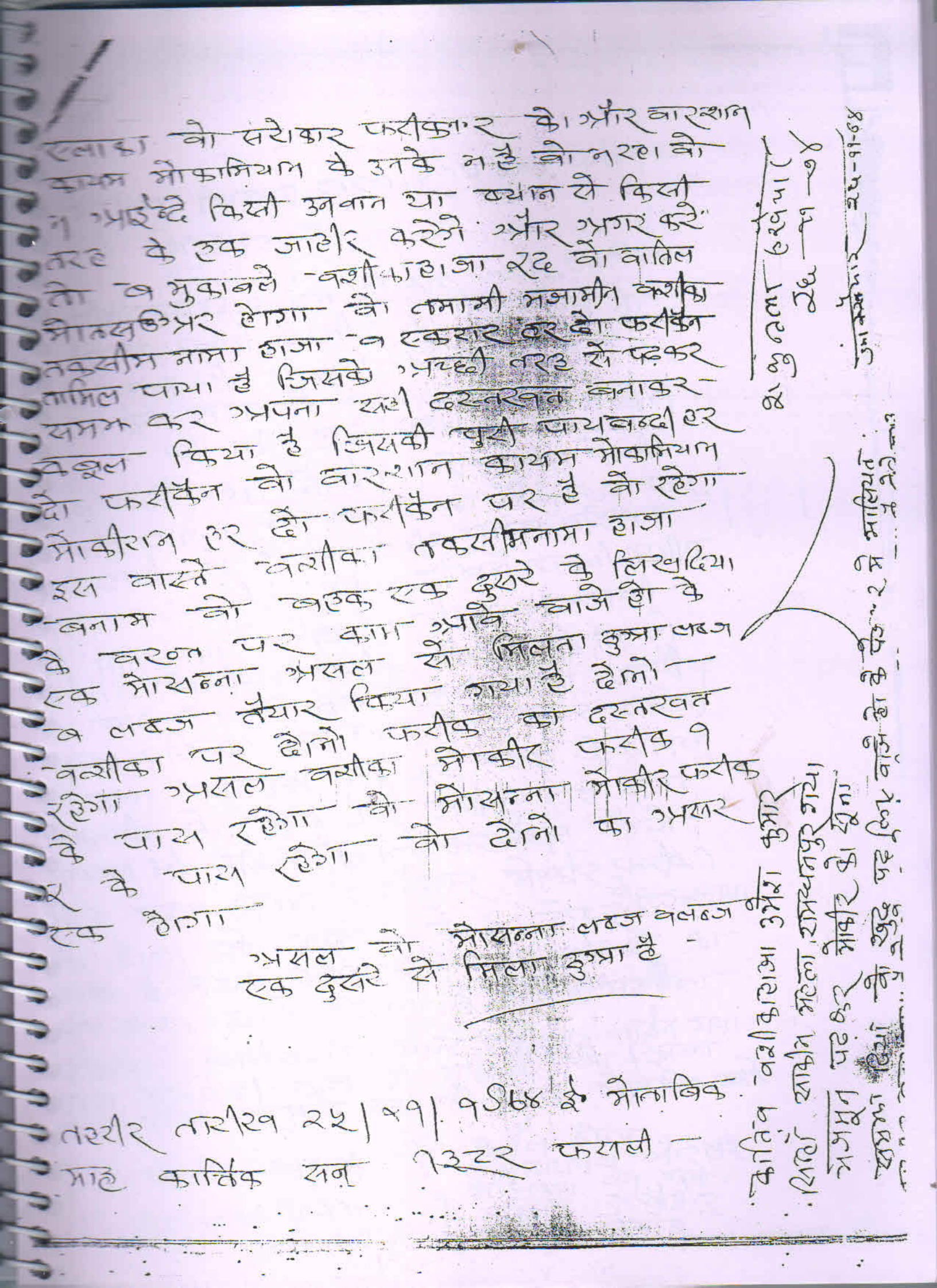
मालिक बिहार सरकार प्रचलं चनौती

कैफियत

राजाओं के मन मौकीर फरीक प्रतिपक्ष को
मन मौकीर फरीक दोयम से मोसलम प्रराजी
14 जन 4 दूर 1920 वर्ग मे मोसलम प्रराजी
के नाम से वजरीये केवाला नवीस्ते
मुकुंद पाण्डेय - वगैरह मरकूमे तारीख
5-12-25 जिसका बुक 1 जिल्द 912 पेज
नं 5 ता 102 बशीका 1266 सन् 1925 ई॰
को रजिस्ट्री मोकामं गया - के खरीद किया -
था जिसको वजरीये रवानगी बरवार -
के जिस हिसाब से रुपया - लगा कर खरीद
किया उस प्रनुपात मे तकसीम कर लिया
है जल्दे मौकीर फरीक प्रतिपक्ष प्रपने
हिस्से के दूसरे प्रराजी पर मकान बना
के रहे और मन मौकीर फरीक दोयम
का जमीन प्रभी खाली पड़ा कुप्रा है -
नाम मा मौकीरान दूसे डिमाण्ड सरकार है
वो मौकीरान प्रापस मे ये विचार किया -
के एक बशीका वसीयतनामा बारखुदह -
जारी करे और प्राईदा के रजिस्ट्री
मे तामिल करे वो अपना अपना
हकियत मुरन्तकील कर के अपना अपना
नाम एकाहदा - वो प्रदागान दूसे डिमाण्ड
करा लेवे - वो इस दोयम फरीकान अपने
अपने खाहिस के मुताबिक अपना अपना
जमीन पर जिस तरह से मकान बनवाना
चाहे बनावे वो बना कर रहे -
या किरायेदान बढ़े -

करता रहें या जो चाहें करें अब न फरीक
मुकामल को मकान पर जो जमीन पर फरीकदोयम
का और न फरीक दोयम के जमीन पर फरीक
मुकामल को किसी तरह का सरोकार न है
और न होगा इस वास्ते वरीका तकसीमनामा
बाखुदइ का बखुशी खातिर वो रगबत —
दिली से अपना अपना नफा वो नुकसान के
बाखूबी तौर से समझ बूझकर मशीरानि —
हकीकत वो कराबत मतदनि से मरावर। —
ने कर आज तारीख से अपनी राजी मगकर
को ककलीम कर लिया वो रुलाहद। काबिज
दखील उसे अब किसी एक फरीक के दूसरे
के जायदाद से सरोकार न रहा वाजे रहे —
के मोकीर फरीक न० १ के हीस्से मे जो जमीन
पड़ा और उस पर बना हुआ मकान सच —
मुच मे सिर्फ मोकीर फरीक न० १ श्रीमती कुन्तला
दखयेर और उनके पति मदन मोहन प्रसाद
दखयेर ने अपने पैसे से बनाया और इस
मकान को बनाने मे मोकीर फरीक न० २ का दखयेर
और उनके पति निलमणी प्रसाद का एक पैसा
भी नही लगा ता हम प्रेम भाव और मोहब्बत
के कारण इस मकान पर मोकीर फरीक न० १
को मोकीर फरीक न० २ का नाम दर्ज डीमाण्ड
म्युनलपैलिटि करा दिया था इसलिए अब प्रापर्टी
बटवारा जो रजिस्ट्री से कायम होने जारहा।
उसमे फरीक न० २ अपने तरफ से अपलियत
को कायम रखने के लिए यूके मोकीर फरीक
न० २ का एक खरमेहर भी लागत नही लगा
या इसलिए यह इकरार करते हुए के रिलीज
न० १ के जायदाद से किसी किस्म का कोई

दिनांक 26-11-91



इलाहा वो सरोकार फरीकैन के और वारिसान
कायम मोकामियाम के उनके न हो वो नरहा वो
या प्राइवेट किसी उनवान या बयान से किसी
तरह के एक जाहिर करेंगे और अगर करें
तो वह मुकाबले वसीकाहाजा रद्द वो बातिल
मोतबर होगा वो तमामी मजामीन वसीका
तकसीम नामा हाजा वह एकरार दर वो फरीकैन
शामिल पाया है जिसको अच्छी तरह से पढ़कर
समझ कर अपना सही दस्तखत बनाकर
वसूल किया है जिसकी खुशी पायबन्दी हर
दो फरीकैन वो वारिसान कायम मोकामियाम
मोकीरान हर दो फरीकैन पर हो वो रहेगा
इस वास्ते वसीका तकसीमनामा हाजा
बनाम वो बअक एक दूसरे के लिखदिया
के वरुन पर गवाह अपने वाजे हो के
एक मोसब्बना असल से मिलता हुआ लबज
वसीका तैयार किया गया है ताकि
रहेगा असल वसीका फरीक का दस्तखत
के पास रहेगा वो मोसब्बना मोकीर फरीक
के पास रहेगा वो दोनो का असर
एक होगा।

असल वो मोसब्बना लबज वलबज
एक दूसरे से मिला हुआ है

तहरीर तारीख 25/11/1964 ई मोताबिक
माह कार्तिक सन 1372 फसली

कार्तिक वदी काशमा उमेश कुमार
साकीन मुहल्ला रामचन्दपुर गया।
लम्बर घर मोकीर का देना
अंगूठा निशान

[illegible] 2 [illegible]

मालिक बिहार सरकार प्रचंड चनौती —
शिड्यूल "ख"

[illegible] मौजा [illegible] कोर परती अक्षिल
मिला परती जमीन का मालियत मौ
ख्ड चार सौ पचास अपया-जिसका
[illegible] इस तरह है —

श्री मति उमा वर्मा जौजे किशोरी
राय वर्मा तथा मोकीरान के जमीन के बीच
कोट सरहद के बाद 1458 मैं कठा चार
[illegible] जा 20 कोट पूरब पश्चिम
[illegible] कोट दक्खिन परती जमीन
[illegible] मौजे नीलमणी —
श्री मति उमा [illegible] दोयम के मिलने
वाला कुप्रा जमीन जो 1000 कोट
पूरब पश्चिम तथा 90 कोट उत्तर दक्खिन
प्रापरय में इस तरह के प्रापती
के बाद उस जमीन पर बना
श्री मति शकुन्तला रुखयार जौजे —
जो मकबा मे S कोटर दिखलाया।
तथा नकसा मे वह खरखा का।
थाने अजला के वार्डो मुहल्ला —
(चिरैयाँड) थाना रिविल लाईन गया।
वेलफरी मुखफी वो जिला
वेप्रके उत वो-एकक मौतलिक अखे

प्रशंसी
2×10²
10²×10³ :

के कईल गोप
अयनारायण प्रसाद हरि
नारायण सेन मुखो
सकुंतला रुखयार
उमा - रुखयार

मकान का दक्षिणी भाग ~~[illegible]~~
[illegible] के हिस्से में
जो ग्रामीण पंडित और उत्तर प्रदेश का मकान
स्थापित है [illegible] प्लॉट नं 7
[illegible] और उनके दोस्त मोहन मोहल्ला
[illegible] से अपने हिस्से से बनाया और इस
मकान को बनाने में प्लॉट नं 6 [illegible] और उनके पत्नी
[illegible] का एक पैसा भी नहीं लगा है
[illegible] और मुकदमे के कारण इस मकान पर प्लॉट
नं 7 ने प्लॉट नं 6 का अतिक्रमण कर रखा है
[illegible] ने कब्जा दिया था। इसलिए आप अपनी कार्यवाही
[illegible] प्लॉट नं 6 पर करें।
आपकी तरफ से प्रेम नाथ को
[illegible] के असलियत को जाने बिना
[illegible] प्लॉट नं 6 का [illegible]
[illegible] है कि [illegible] प्लॉट नं 6 से [illegible]
को [illegible] प्लॉट नं 6 [illegible]
बरसात में [illegible] किसी भारी उपकरण
से [illegible] करें। अगर कोई [illegible]
[illegible] होगा तो आपकी
[illegible]

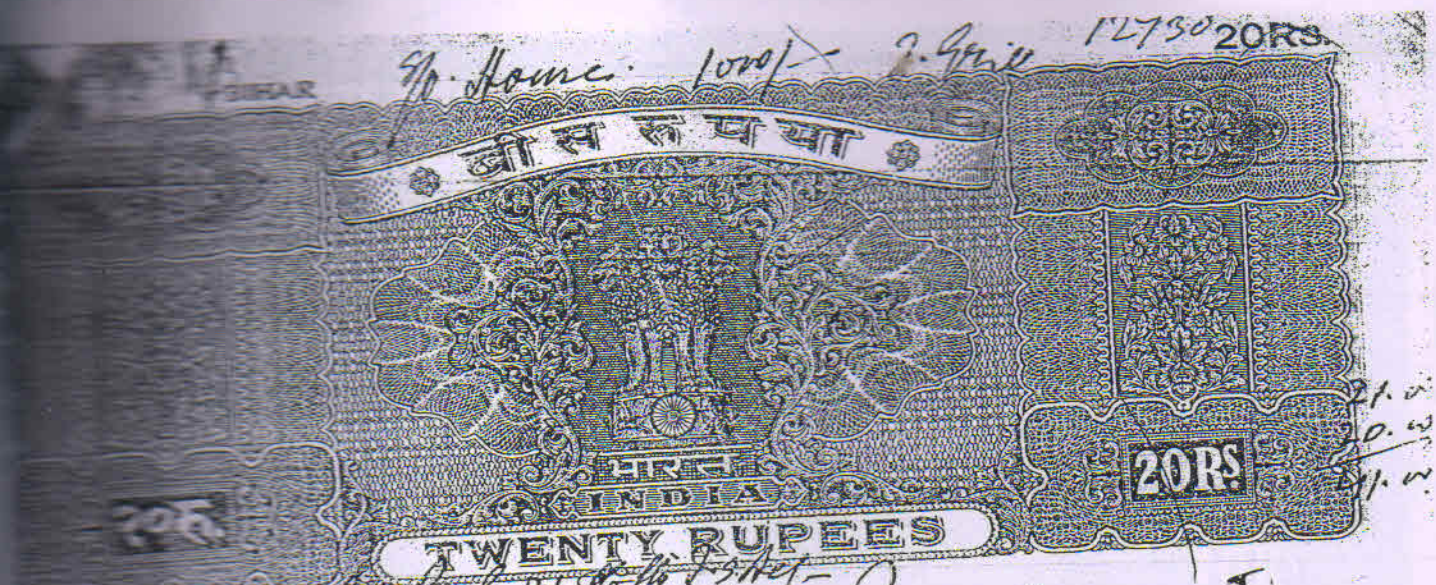
[illegible] राकुमला [illegible]
[illegible] मोहल्ला, [illegible]
[illegible] सिंघा, [illegible]
[illegible] मो० [illegible]

राधेश्याम
to stamp

सरोकार न रहा वो तमामी मजामीन —
वसीका तकसीमनामा इशा व इकरार
हर हो फरीकैन शामिल पाया है जिसकी
बुसी पायबंदी हर हो फरीकैन —वो —
वारसान कायम मोकामियान मोकीरान —
घर हर हो फरीकैन के हो वो रहेगा —
इस वास्ते वसीका तकसीम नामा बनाम
वो बहक एक दूसरे के लिख दिया —
के वरत पर काम आवे वाजे रहे
एक मोरतना प्रथम ये मिलता
तैयार किया गया के होनो वसीका
पर होने। फरीकैन का दस्तखत रहेगा —
वो असल वसीका मोकीर के हाथ
में रहेगा। वो मोरतना मोकीर के पास रहेगा। वो होनो प्रथम एक
रहेगा —

प्रथम वो मोरतनालव ज
व कब्ज मिला हुआ है —

उपरोक्त
अपरोक्त



S/o Home 1000/- 2 Grie 12750 20Rs

Japan
III 0-5
N/A 2-14
N/A 0-7
11-10

Remarks under Rule 21 of the Rly Rel- Section 24 (1)(a) 29 as amended & Improvement Act-Rel-1957.

Land duty paid under the Rly Rel. 21.00
Additional duty paid under the Rly Rel & Improvement Act-1957 20.00
41.00

R
9-9-60

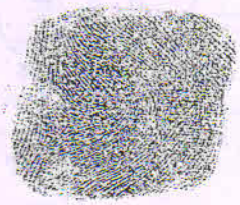
R
9-9-60

9/9

नाम श्री करण

बाबू श्री मोहन लाल उर्फ राम धन सेठ
पुत्र श्री गोपाल सेठ स्वर्ण वासी
वा वासी मद्रास हाल पसार
जाति नागर उम्र लगभग वर्ष
जोधपुर पं० - जोधपुर जि० जोधपुर
पं०-सन पर सराय हाल मालाब मद्रास
पर बीच मद्रास शहर जोधपुर - सीमे
आज जोधपुर पसार - जोधपुर का स्थायी

मद्रास पुलिस कमिश्नर
मद्रास पुलिस कमिश्नर
मद्रास पुलिस कमिश्नर






BIHAR
10 Rs.
भारत
INDIA
TEN RUPEES
10RS



[illegible] मुकुन्द पाण्डे से स्वरूप करके
से आशया मुन्दरजन वाला को आरामत करके
[illegible] समवत पजीर हूँ। वो घर-घरत मत्त
[illegible] में जारत्न राधया को वास्ते स्वरदन
[illegible] मोज-जीमा के रासद घर पसद है वो
[illegible] मुज करन। कसी मामला के राधया का सामान
[illegible] दावू धार है। वो वर्ज सुने मेंने सेजरवाने
[illegible] मनसाउध है।

[illegible] दान मुन्दरजन वाला मनमो करि पहुंच
[illegible] स्वागत। येसी अदालत संत जान वो
[illegible] स्वाल का मन्य बकुरास्तवी दाये [illegible] गायलमान
[illegible] पत्र नथा वो मुकसानी [illegible] मरजी वो
[illegible] से आशया मन्दरजन वाला को स्वाग
[illegible] मत [illegible] वो मुन्दर [illegible] मान
[illegible] साद [illegible] मा पोत्र
[illegible] आदेश पोता वाल कस्त्रा [illegible]
[illegible] वो [illegible] अदालत [illegible]
[illegible] हो। आजाद आशं साद मुन्दरजन वो [illegible]

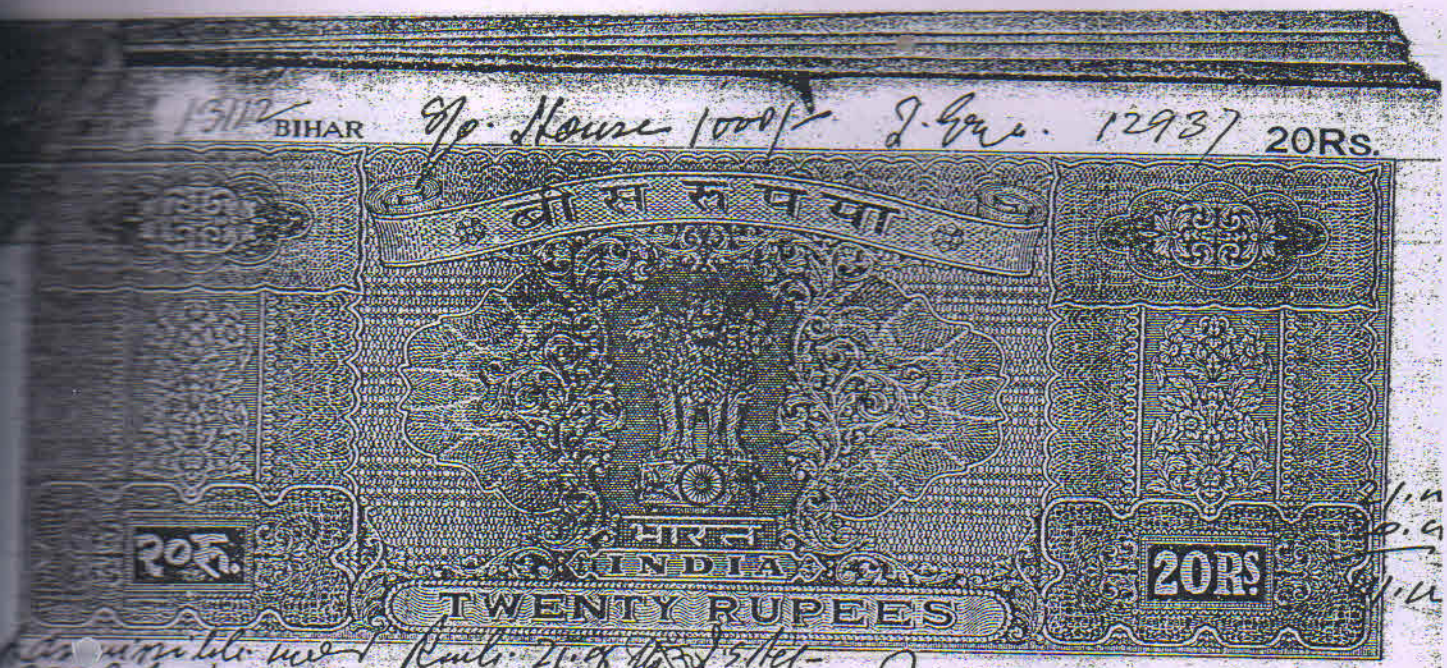

BIHAR
INDIA
एक रुपया
ONE RUPEE
भारत
ONE RUPEE

ગુલાબ સમર્પણ દ્વારા મહાત્મા ગાંધીજી ને ભાવભીની
શ્રદ્ધાંજલિ અર્પણ કરતા વિદ્યાર્થીઓ

क्योंकि हाजा कोई नुक्स हकीयत या वारसैनया
वारस के मालक जाहिर या साबीत होवें इसकी
उजर जवाब देही वो मशाय करी कुल जरदावी मोकीर
आल्हे जीम्मे मनामोकीर वो वारसान मनामोकीर के
है वो होगा। वो तमामी मशायत हाय मुन्दरजें
क्योंकि हाजा मरजा मन्दी करीजैन तहरीर वो
तामील पाया है इसमें मनामोकीर या वारसान कायेम
मोकामीयान मनामोकीर को कोई उजूर वो स्वतरज
नहीं है वो नहीं होगा। अगर करें तो नाकाबील
समायत अदालतम जाज के है वो होगा। इस वास्ते
यह कबाला बैयला कतामी हाजा लीख दीया
के वक्त जरूरत के काम आवे फक्त —

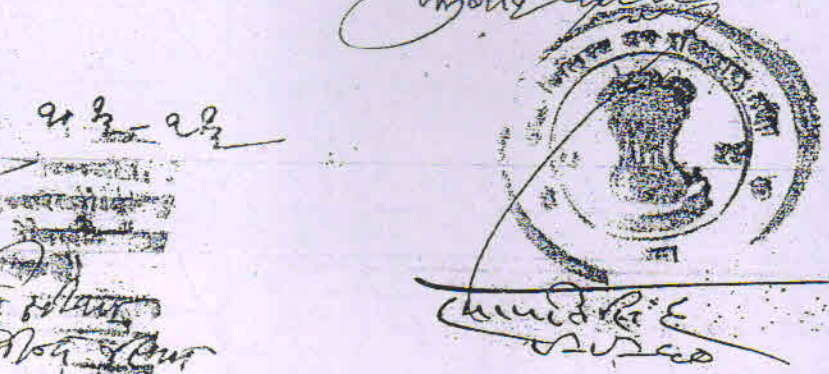
तहरीर ता० 1 माह 1 सीतम्बर सन् 1960 ई०

कातिब कबाला हाजा गोपाल प्रसाद [illegible]
[illegible]



Jagand
A/C 0-5
M/C 2-14
M/C 0-7
11-10

20.00
41.00



Received from Namdeo Singh s/o
Nanhan Singh Rs an amount
of Rupees one Thousand
only in cash in my presence

15/7/60



हाल मौकाम महल्ले - रामपुर मीनमहल्लात शहर जया
थाना - सेवील लाईन जया पेसदार - कारबकारी
वो नौकरी
नामजाकर अतहे श्री मती इन्दीरा सेन गुप्ता जौजे
देवनारायेन सेन गुप्ता कौमीत जाति -
दाम्हन वँगाली सा० महल्ले - रामपुर मीन
महल्लात शहर जया थंना - थूडिने सेवील
लाईन जया पेसदार - नौकरी

किसीम वसीका वयला कलामी
वायेदाव जरस्यमन मा० १०००) एक हजार रुपया
सी मावदया
मखाजी ६ ६० पँच आना चार पाई हस्सा
मीनजुमले मवाजी मासलक्षम सोलह आना
किते मकान पोख्ता छतदार खपड़े
पास जीसका सदर दर-वाजा दरखीन
सरवदे.. एक खिड़की पुरःव.सरव
ई जीसका [illegible]



उत्तर दरवीन पांच बास वा पुरब पश्चिम
पांच बांस है अमला मैय जमीन मैय -
एक सुकुन वां एक मोकाम जान वां एक
अशाय श वां दक्षिण उसमले हस्त हक्काके
हसब हदूद अरब वां दक्षिण बसरेहाल
जस्से मुन्दरनी जैल वाके महल्ले मुस्त का
बाद रामपुर मौन महल्लात शहर गया थाना
सेवील लाइन गया कलेक्ट्री वां सदर
रजीस्टरी वां कलक्ट्री वां मुन्सीफी वां मुन्स
पंचायत गया वाडे कि होल्डिंग टैक्स सालाना
वां हाल होल्डिंग १०१ पी जी टैक्स थाना पटी
स्थाना ०० क्लोट ३०८ मुन्सेलटी सालाना सा० जमा
३मग पं० हदूद अरबा मौतद एका सालाना सा० १ मं.
०० पं० पं० पं०
मौन मदन मोहन रास्ता जीज मयजी राम नारायन
प्रोफेसर पी० डब्लु० मोहन सरवेयार सेन एण्ड
गया. डी० प्रोफेसर गया
कालेज गया

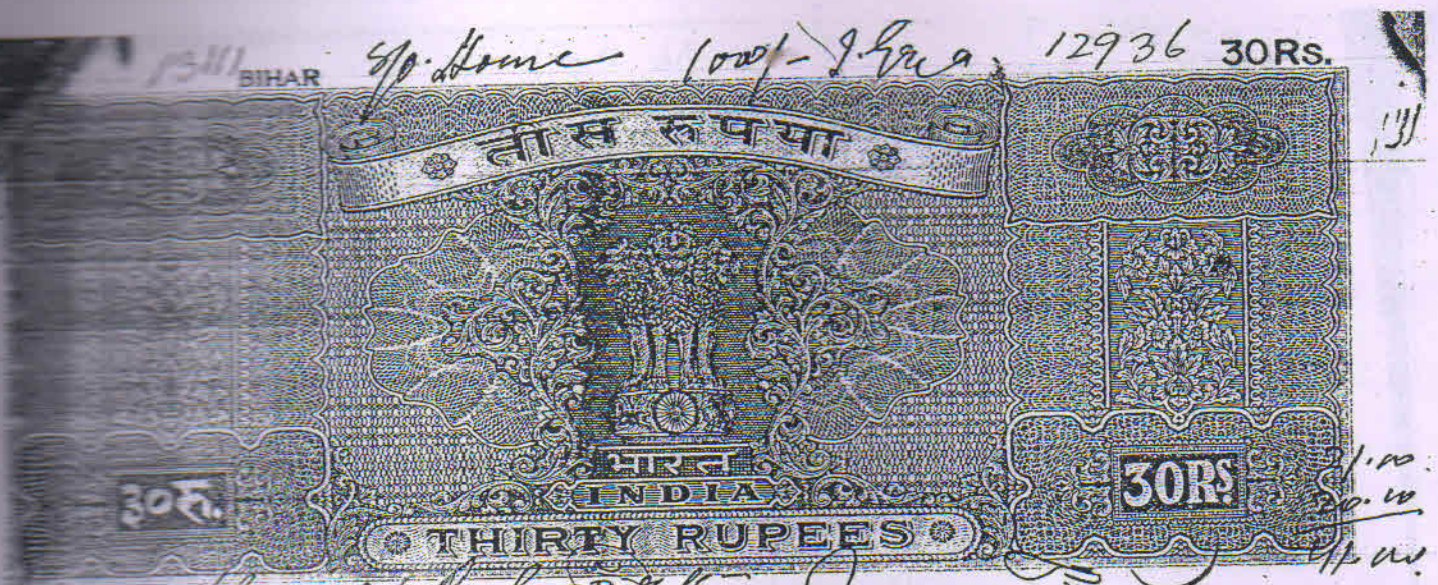
यह के कुल जरूरतमन्द हाजा मन मोकिर नज़दवन्त
अदालत रजीस्ट्री वसीकः हाजा व मोकावीलि जनाब
डिस्ट्रीक्ट साब रजीस्ट्रार साहब बहादुर के वसुल
वाकिफ पाकर अहजा वो तहत में अपने दर
लाकर इसे जरूरत जायेज अपने किया। वो
से मोवइया मुन्दरजे बाला पर मोकिर अलैह को
आवीज दखील जारधाना।

यह के मोकिर अलैह को इक वो अरबतीयार हासील
हुए के से मोवइया मुन्दरजे बाला पर काज के
बारीख से व दैनीयत साबीक मुस्तकील के
आवीज दखील होकर वो रहकर से मोवइया
मुन्दरजे बाला में इकुद साकुनात पजीर हो।
खाह साथ किसी हुसन को कबायतव बन्दोबस्त
करे। वो कुल जरा करार। मजकुर को अहजा वो
वसकफ में अपने दर काया करे। वो नाम अपने
नीस्बत से मोवइया मुन्दरजे बाला जहाँ जहाँ
जरूरत समझे दर्ज करा लेवे।

यह के मगा मोकिर ने मोकिर अलैह को यह बावर
कराया है वो यकीन दिलाया है। के से मोवइया
मुन्दरजे बाला आज के तारीख तक बहर
सुरत पाक साफ वो बेरबतीस है। अगर कारा
वाद तहरीर वो तामील वसीकः हाजा कोई हुस्स

[illegible] था वारंवार या वारके फालत जादेव या
[illegible] ले उसकी पुरसे जवाब देही [illegible]
[illegible] आदाय कारीकुल जरदावी मोकीर अलेह
[illegible] मनमोकीर वा वारसान मनमोकीर के [illegible]
[illegible] वा तमामी सरायत हाये मुद्दवेजे वगैरी
[illegible] दावा परअना मब्दी फरीकेन तहरीर वा तामील
[illegible] है। इसमें मनमोकीर यावार सान कायमे
[illegible] मोकामियान मनमोकीर का वकील उजुर वा एतराज
[illegible] नहीं है वा वहीं होगा। अगर कोई तो वाकावील
[illegible] सायत अदालत मजाज के होगा। इसवास्ते
[illegible] वकीला वेयला अलामी दावा लीख दीया
[illegible] तहरीर ता० [illegible] माह सितम्बर सन् [illegible]

[illegible]



Jaipur



लाइन गया पेसंजार - कारबार वा नौकरी

अलह श्री मती इन्द्रेश सेन गुप्ता जौजे
देवनारायण सेन गुप्त जीवीत जाती -
बँगाली सा. महल्ले - रामपुर मीनमहल्ला
गया थाना - सिविल लाइन गया पेसंजार -
नौकरी

वसीका करवाला वे यला कलाभी
जायदाद जिस्समल
मा० १००० (एक हजार रुपया
मवाजी एक पाँच खाना चार पाइ। हिस्सा
मीनजुमले मवाजी मौसल्लसा सोलह आना। कत -
मकान पोख्ता छत दार रुपई पोस जीसका सदर
दर वाजा यकरुखीन रास्ता है। वा एक खीड़की
पुरब रास्ता है। जीसका बाप नौ फीट के वासते
पाँच बाँस उत्तरे दरवाजा वा पाँच बाँस पुरबे
पश्चीम है। अमला मय जमीन मैय हक -
सकुनात वा हक मा कावजात वा हक अदायगी
दीगर जुमले हस्त हकाक हसप हुदुद सरहे
दीगर वसाईदात जरूरी मुन्दरज जेल

गया दिनांक 21 [illegible]

BIHAR 1R.

INDIA

ONE RUPEE ONE RUPEE

मुस्तफा बाद रामपुर मौलवी महल्ला

शहर गया थाना - सिविल लाइन गया डबीजन

में सदर रजीस्टर वां कलक्टरी वां मुकदमी वां

मुकदमें लटे गया वाड ई हाईकोर्ट तक सबीन

में हाल हाईकोर्ट वगैरा तीजी कलम थानाघट्ट

साबिक ब्लॉक टैक्स मुकदमेबाजी सालाना मा० 1) रु.

00-308

उनज पर वां मातरफा सालाना मा० 1) रु.

हदूद अरबा

उ० मोहन सड़क पी० डब्लू डी० — द० जोजो मदन मोहन सरकार प्रोफेसर गया — प० राम नारायण सेन गुप्ता मौजे गया

दीगर तसरीहात हसब दफा यात मुफरजा जैल

मजमा कोर से जमीन परत अन्दर रा मावइया

ना को जरीब करीला वेच मरदुम ता० 2 माह

दरसम्बर सन् 1911 ई० तारीखा मुत्तजमा 1922

जीव 10 सफा दफा ता० 1 15 42 ई० मासबके

रजीस्टर मौ नाम गया सरवराह / मुकुन्द पाण्ड

તારીખ ૨૭ ઓગસ્ટ સન ૧૯૬૦



Mukund Pandy S/o Shree Ram Gulam Pandy Jat

मुकुन्द पांडे बेटा स्वर्गीय श्री राम गुलाम पांडे जात

ब्राह्मण कोंईजिगा साकीन मौजे सहीया प्रगना महेर

जिला गया थाना मोफसील गया डा० दरीबा आज

बवेदा काल कारी वो अजमन कई . . . .

B. Ramnarain S/o Gupata S/o B. Ramraghoal

बाबू राम नारायण पीन गुप्ता पेसा बाबूराम रघुराय पीन

Gupata Saliue,

गुप्ता जीवीत जात भैद ब्रह्मण बेंगाली साकीन सहला

रामपुर मौजा सालात महर [illegible]

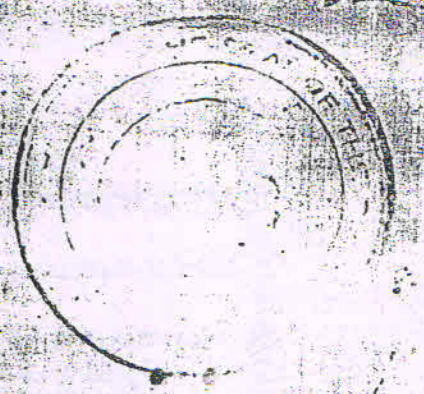
जाया पेशा दुकरी.

केदाला पेला कलामी. (Sale deed)

Rs 12000/- only

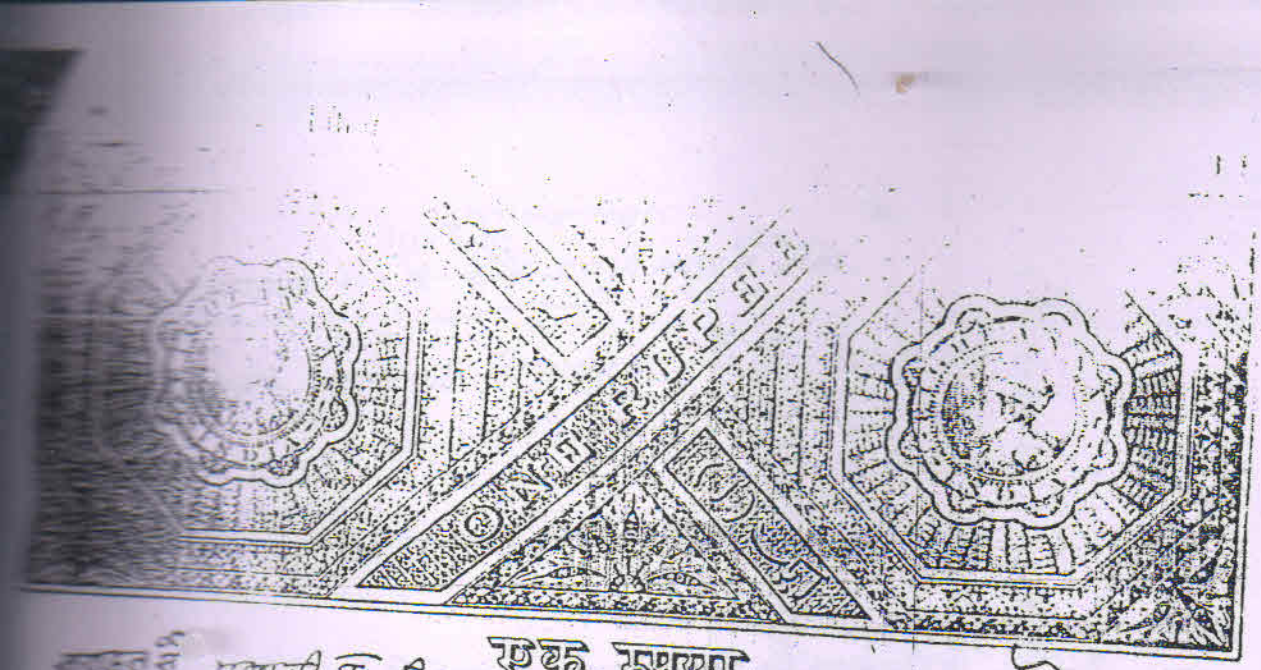
सो० १२००) एक हजार दो सौ रुपया जिसकी

लिस्ट सो० ६००) छौ सौ रुपया होता है



Received by ... at ... P.M. on ... 29th Dec 57

Prakash Sandy
Laughalam Sandy
Sahia
Mr. Gaya
Gaya
Brahman
Ashwamedha



एक रुपया

मवाजी ए. डी. पन्द्रह डीशमील जो पहले पैमाइश
जमीन्दारी मवाजी उर्फ़ंग कठा एके चूर है मेरा
जी कास्त नकमी कायमी हाल पुरजा मन्दी मालिक
भावली से मीनजुमले मवाजी ए. डी. के हस्बसद
हद जैल बाले मौजे मुस्तफ़ाबाद रामपुर परगना
पहरा जिला गया थाना मोफ़स्सिल गया थाना नं.
१८१-मुन्तजमे मौजा नं. ४१०० महाल मेयकुली
सब डीवीजन रजीस्ट्री वो कलक्टरी वो मुन्सफ़ी
साकिम गया।

मालान	प्लौट नं.	नाम बीता	ए. डी.	एरा	बी	चौहद्दी
	३०४ मीनजुमले ए. डी. १-६५½ डी. को मौजजुमले ए. डी. २-६५½	सड़क से उत्तर	१५	उर्फ़ंग		नीम्बाल पुरबपश्चीम औ सीमाल उत्तर दक्खीन
						दक्खीन — पूर्व — पश्चीम —
	नीम दुकड़ा प्लौट	सड़क पो: डबलु डी: पो रबंतर सड़क -				नीम दुकड़ा प्लौट हाल बापु रामपत्ती सिंह उर्फ़ रामबान सिंह कियाले मा
	नीम दुकड़ा प्लौट					नीम दुकड़ा प्लौट

अदालत श्रीमान [illegible] मो० जु० एक रुपया मालगुजारी

मुकदमा नं० [illegible]

दावा मालीक. पन्नीत लाल मोहन मां सा० मौजे पा साया ज़िला पहरा

डा० सय गया जिला गया।

बीरू मजामीखान हाल सराहत जेल।

नं० १- यह के अराजी में मोयइआ मुद्दयजे बाला की मनमोकीजे

अपने तहसील स्याह से जरसमन जारीमे करके वजरीमे के बाला

के मरकुमे ता० १७-२-१५३८ ई० बरुये रजीस्ट्री. बुक नं० जिल्द

नं० १ सफा नं० ४२ ता० नं० १५२ बसीका नं० ७११- सन १९३८ ई०

मोकाम गया सरखे कइल जीप मजद जरसन जीप सा० मौजे

चीरइआ टांड़ प्र० पहरा जिला गया थाना सदर टौन गया से

वजा समन मो० २०१) दो सौ रुपया की नवाजी ए- ई- कगज

१- ७५३

आयली. वनामवी पक्क अपने रखीयकाके काबीज दखील

हुये थी वहे ओ बाद आजा वरजा मन्दी मालीक अरसा दश साल

के इ आ के अराजी बाला की नकमी कामगी करालीया है।

इसका अय नकमी कामगी वा सन मोकीर वेला सीकत

उलजरे वी वे मुदाखलत बिगरे के इनोज काबीज करीला

है औ चले आते है।

नं० २- यह के इलहाल मन मोकी की जरुरत रुपया खरचे

खर्च खानेदारी औ दिगर एखराजात जरुरी वाजी

आयम दस्तगरदा अन्य आसखास रुपया के आसय मफिक

है इसलिय वमसरफे यही खाहन आपने मद्दा मोकीय

की अराजी बाला की फरोखत करके जरसमन से उसके रुपे

मुसरत होउ- अनान्ये इसराय की वारेक औ पजकाबे

मौजिन आम वास्ते करारेखतगी से मोवहुआ मुबरजे वालाकी
[illegible] मकीर अलेह वसीका हजा खरीदी
[illegible] निज जासमन याजीब दस्त निर्ख बाजार के आमादे और
[illegible] वदा मिलान फरीकैन मोवाहदा के कार पोरा होने
[illegible]

नह के वबजुहात वाला मन माकी वहालत सेहतजात
[illegible] अक्ल वदुरुस्तगी होस और हवास वेला जबा और
[illegible] और दाव नाजाप्रज मीसी दस्ती से आजा खान तोर
से अपना नफा और नुकशानी की वारवी सोच और इस
मअ और गौर कके मयाजी दस्तबरदारी मुबरजे और मुतसरहे वाला जुमला
हक और हुकूक मौजुया और आइन्दा वबयल जासमन
अदल मो १२००/- एक हजार दो सौ रुपया के वदस्त माकी
अलेह वसीका हजा वेला सरत फीरुकी जबा कैफेया
और के वाला वैला कलमी कीमा।

नह प्रह के कुल जासमन इस तपसील से कि मो० १००/- एकसौ
रुपया कवल तहरीर वसीका हजा वक्त वे मेआना के
वे होने मोवाहदा के माकी अलेह से मअ वसुल पाकर
रफे जरीमात मे दला चुके है और मो० ११००/- एकेहजार
एकसौ रुपया वक्त एकरार सबकजनाय डीहदी के सबरजी
हजा साहिब मोकोम अगरा के वासुल पाया इस रुक्का
जुमला जासमन मो १२००/- एकेहजार दोसौ रुपया
माकी अलेह से मनमाकी के वासुल वे बाक हो गया।

अपने किये का मुहिब्बत अदालत जाए समन जिसमें मुस्तरी मौसुफ को
आकी नहीं रहा।

८५- यह कि वाकयात तमाम और कमाल जाए समन मुस्तरी मौसुफ को
उपर से मोवइआ हाजा कानूनी और दरखोला कीया अदीमकी
तकीला अलैह दखीका हाजा उपर से मोवइआ हाजा कानूनी
दखील होकर और वहकर वस्तुत तलाश करके और करके
मुद्दशील पेरेवा हरअाम की उसके बाद अदाम मालगुजारी
वगैरज और तस्कफ और तहत में अपनी दलाइलों के और
नाम अपना मसीलीस्ति जामीन खारी दर्ज कालिये, और
हस्ब खाहीश अपने अराजीअत खाला में मकानथोरेबे
साहखाम तलबी कराकर रूबकनात पजीहोये इआ जो खा
हीश ही असल में लाभ्य करें।

८६- यह कि मोवइआ हाजा हरएक वाकयात बेतुकरा
हकीयत से पाक और साफ है खेलाफ इसके वाद तहरीर
और तामील वसीका हाजा कोई वाद देन और नुकशहकीमत
जरूर में आये जिसके सबब खतीया मौसुफको या पीसान
कायम मकामी आन को उनको कोई वाद देन आमने केना
पड़े या कुलया नुज से मोवइआ से बेदखल होजाये
तो ऐसे हालत में मुस्तरी मौसुफ और पाती सान कायम
मकामी आन को उनके हक हासील है और होगा के
कुल जा मोदवाय या जा समन वकयर बेदखली अला
दे खर्चा और खेसारा और सुद वचारे और अदालत मजा.
ज जात और आमयाय मन कुला और और मन कुल
आरजी और फरजी से मन मकीर और वारीशान

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.jainelibrary.org

कामीआन मन्मथ की से वसूल और वेयक

के नमामी सरामत वसीका हाजा थरजा मन्थो की
वहरी और तामील पाया है इसमें कोई उज्र
और एतराज मन्मथ की और थाशान मन्मथ की
नहीं है और नहीं होगा अगर करे तो इन्तजामात
बजाजरा और थासील और वे असर मुतसाउआ है और
इसलिए वसीका के वाला वे तेना कलामी
वन्थम और वहकमी की अलेह वहरी का
तामील करते हैं के समय दा काम आवे।

तारीख २६ छब्बीस माह ईश्वर सन १६५२ ई०
माह पुश सन १३५६ फसली।

